CBSE CLASS X

Hindi Course B (085)

QUESTION PAPER

From previous CBSE Board Exam questions

Code: WYEGWH	Questions: 14	Maximum Marks: 38	Generated: 2026-06-15 13:05

SELECTIONS USED

Source	Previous-year board
Subject	Hindi
Lessons	कबीर – साखी
Year	2022-2026
Questions selected	14

Composition — Types: 9 Short · 3 reading_comprehension · 2 MCQ

Q1. **[2]**

कबीर के, निंदक को पास रखने वाले विचार से आप कहाँ तक सहमत हैं और क्यों?

Previously asked in: 2025 4/4/1 Q10 (i)

◆ कबीर – साखी | 1.2.2 अनुभव ज्ञान और गुरु का महत्व | 1.3.3 आत्मज्ञान और आध्यात्मिकता

Q2. **[2]**

कबीर की साखी के अनुसार उनके रुदन का कारण स्पष्ट कीजिए।

Previously asked in: 2025 4/3/1 Q10 (क)

◆ कबीर – साखी | 1.2.2 अनुभव ज्ञान और गुरु का महत्व | 1.3.3 आत्मज्ञान और आध्यात्मिकता

Q3. **[2]**

साधारणत: निंदक किसी को पसंद नहीं होते फिर भी कबीरदासजी ने निंदकों को अपने पास रखने की सलाह क्यों दी है ?

Previously asked in: 2025 4/1/1 Q10 (क)

◆ कबीर – साखी | 1.2.2 अनुभव ज्ञान और गुरु का महत्व | 1.3.3 आत्मज्ञान और आध्यात्मिकता

Q4. **[2]**

ईश्वर की सर्वव्यापकता का उल्लेख करने के लिए कबीर ने 'साखी' में क्या उदाहरण दिया है ? इसके माध्यम से कवि ने क्या स्पष्ट किया है ?

Previously asked in: 2026 4/2/1 Q8 (iii)

◆ कबीर – साखी | 1.3.2 ईश्वर की सर्वव्यापकता | 1.3.3 आत्मज्ञान और आध्यात्मिकता

Q5. **[3]**

'सुखिया सब संसार है, खायै अरु सोवै । दुखिया दास कबीर है, जागै अरु रोवै ।' — साखी के संदर्भ में कबीर के दुखी और जाग्रत होने का कारण लिखिए । क्या जागना भी दुख का कारण हो सकता है ? स्पष्ट कीजिए ।

Previously asked in: 2023 4/2/1 Q12 (क)

◆ कबीर – साखी | 1.2.2 अनुभव ज्ञान और गुरु का महत्व | 1.3.3 आत्मज्ञान और आध्यात्मिकता | 1.4 भावार्थ और विचार

Available for free from:
https://cbsegrade10studyguide.com
https://github.com/orgs/cbse-free-resources/repositories

Q6. **[1]**

पद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए उपयुक्त विकल्प को चुनकर लिखिए : कबीर ने कस्तूरी मृग के उदाहरण से क्या समझाया है ?

(A) कस्तूरी मृग जंगल में कस्तूरी खोजता है ।
(B) हृदय में आत्मा के रूप में ही परमात्मा हैं ।
(C) हिरन की नाभि में ही कस्तूरी पाई जाती है ।
(D) जगह-जगह खोजने से परमात्मा मिल जाते हैं ।

Previously asked in: 2024 4/5/1 Q8 (i)

◆ कबीर – साखी | 1.3.2 ईश्वर की सर्वव्यापकता

Q7. **[1]**

पद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए उपयुक्त विकल्प को चुनकर लिखिए : कबीर के अनुसार मीठी बोली का क्या प्रभाव होता है ?

I. हमारा शरीर शीतल होता है ।
II. बोली में अहं का भाव आता है ।
III. हमारा काम सरलतापूर्वक हो जाता है ।
IV. सुनने वाले को सुखानुभूति होती है ।

(A) I, II
(B) II, III
(C) III, IV
(D) I, IV

Previously asked in: 2024 4/4/1 Q8 (i)

◆ कबीर – साखी | 1.3.1 वाणी की मधुरता और व्यवहार

Available for free from:
https://cbsegrade10studyguide.com
https://github.com/orgs/cbse-free-resources/repositories

Q8. **[5]**

> कस्तूरी कुंडलि बसै, मृग ढूँढ़ै बन माँहि ।
> ऐसैं घटि घटि राँम है, दुनियाँ देखै नाँहि ।।
> बिरह भुवंगम तन बसै, मंत्र न लागै कोइ ।
> राम बियोगी ना जिवै, जिवै तो बौरा होई ।।

निम्नलिखित काव्यांश (दोहों) को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्पों का चयन कर लिखिए :

(i) 'बौरा' किसे कहा गया है ? [1]

(A) जो परमात्मा के प्रेम में डूबा है ।
(B) जो संसार के प्रेम में डूबा है ।
(C) जिसे किसी साँप ने डँस लिया हो ।
(D) जिसे सांसारिक प्रेम में निराशा मिली हो ।

(ii) 'ऐसैं घटि घटि राँम है' में 'घटि घटि' का गलत अर्थ है – [1]

(A) जीव मात्र
(B) कण-कण
(C) हर जगह
(D) हर घड़ी

(iii) 'बिरह भुवंगम तन बसै' का भाव है – [1]

(A) भुजंग का तन में वास होना
(B) भुजंग से विरह की अनुभूति होना
(C) परमात्मा का तन से विरह होना
(D) परमात्मा से विरह की अनुभूति होना

(iv) निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनकर लिखिए : कथन : परमात्मा प्रत्येक प्राणी के हृदय में निवास करता है । कारण : सांसारिक मोह-माया में लिप्त प्राणी इस सत्य से सुपरिचित होता है । [1]

(A) कथन और कारण दोनों गलत हैं ।
(B) कथन गलत है, लेकिन कारण सही है ।
(C) कथन सही है, लेकिन कारण, कथन की गलत व्याख्या करता है ।
(D) कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या है ।

(v) 'राम वियोगी ना जिवै' का आशय है – [1]

(A) राम का वियोगी स्वयं मृत्यु को प्राप्त हो जाता है ।
(B) राम का वियोगी स्वयं मृत्यु का वरण कर लेता है ।
(C) राम का वियोगी सांसारिक मोह-माया से मुक्त हो जाता है ।
(D) राम से विरही व्यक्ति की स्थिति विक्षिप्तों जैसी हो जाती है ।

Previously asked in: 2026 4/5/1 Q9

◆ **कबीर – साखी** | 1.3 साखियाँ | 1.3.2 ईश्वर की सर्वव्यापकता | 1.3.3 आत्मज्ञान और आध्यात्मिकता

Q9. **[3]**

'साखी' पाठ के आधार पर 'घर' की प्रतीकात्मकता स्पष्ट करते हुए लिखिए कि कबीर अपने बताए मार्ग पर चलने वालों का घर क्यों जलाना चाहते हैं ?

Previously asked in: 2023 4/1/1 Q12 (क)

◆ **कबीर – साखी** | 1.3 साखियाँ | 1.3.3 आत्मज्ञान और आध्यात्मिकता | 1.3.4 माया और अहंकार की आलोचना

Q10. **[5]**

> सुखिया सब संसार है, खायै अरू सोवै ।
> दुखिया दास कबीर है, जागै अरू रोवै ।।
>
> बिरह भुवंगम तन बसै, मंत्र न लागै कोइ ।
> राम बियोगी ना जिवै, जिवै तो बौरा होइ ।।

निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए :

(i) पहले दोहे में 'सोना' और 'जागना' प्रतीकार्थ है – [1]

A अज्ञानता और ज्ञान का
B निष्क्रियता और सक्रियता का
C अचेतना और चेतनता का
D निर्जीवता और सजीवता का

(ii) कबीर दुखी हैं क्योंकि वे – [1]

A एकाकी जीवन व्यतीत कर रहे हैं ।
B ईश्वर से वियोग के कारण व्यथित हैं ।
C सांसारिक सुखों का भोग नहीं कर पा रहे हैं ।
D ईश्वरीय सत्य से लोगों को परिचित नहीं करवा पा रहे हैं ।

(iii) 'मंत्र न लगना' का आशय है – [1]

A मंत्रों का निष्फल होना
B पूजा-पाठ का काम न आना
C कोई उपाय काम न आना
D मंत्रोच्चार की विधि न जानना

(iv) राम वियोगी व्यक्ति की तुलना किससे की गई है ? [1]

A विक्षिप्त व्यक्ति से
B विरह रूपी व्यक्ति से
C विष युक्त सर्प के तन से
D विरह रूपी सर्प से ग्रसित व्यक्ति से

(v) निम्नलिखित कथन तथा कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए । उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए : कथन : सांसारिक मनुष्य सुख-पूर्वक जीवन यापन कर रहे हैं । कारण : वह भौतिक सुखों को ही सच्चा सुख मानते हैं । [1]

A कथन तथा कारण दोनों गलत हैं ।
B कारण सही है, किंतु कथन गलत है ।
C कथन सही है, लेकिन कारण कथन की गलत व्याख्या करता है ।
D कथन तथा कारण दोनों सही हैं तथा कारण कथन की सही व्याख्या करता है ।

Previously asked in: 2024 4/3/1 Q7

◆ कबीर – साखी | 1.3.1 वाणी की मधुरता और व्यवहार | 1.3.2 ईश्वर की सर्वव्यापकता | 1.3.3 आत्मज्ञान और आध्यात्मिकता | विरह और राम-वियोग

Q11. **[5]**

> कस्तूरी कुंडलि बसै, मृग ढूँढै बन माँहि ।
> ऐसैं घटि घटि राँम है, दुनियाँ देखै नाँहिं ।।
>
> जब मैं था तब हरि नहीं, अब हरि हैं मैं नाँहि ।
> सब अँधियारा मिटि गया, जब दीपक देख्या माँहि ।।

निम्नलिखित पठित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए :

(i) 'कस्तूरी कुंडलि बसै ...' दोहे में किसका वर्णन किया गया है ? [1]

A कस्तूरी ढूँढ़ने वाले मृग का
B सांसारिकता में लीन मानव का
C अपनी ही विशेषता से अनजान मनुष्य का
D ईश्वर की सर्वव्यापकता का

(ii) 'जब मैं था तब हरि नहीं' पंक्ति में 'मैं' से अभिप्राय है – [1]

A अहंकार की भावना
B स्वार्थ की भावना
C सांसारिक माया-मोह
D स्वयं कवि

(iii) 'जब मैं था तब हरि नहीं' दोहे के अनुसार हृदय में ईश्वर का निवास कब तक असंभव है ? [1]

A जब तक सच्चे हृदय से उसे याद न किया जाए ।
B जब तक सांसारिक विषय-वासनाओं को न छोड़ा जाए ।
C जब तक अहंकारपूर्ण व्यवहार का नाश न किया जाए ।
D जब तक सच्चे हृदय से उसकी सेवा न की जाए ।

(iv) 'जब दीपक देख्या माँहि' – पंक्ति में 'दीपक' प्रतीकार्थ है – [1]

A प्रभु प्रेम के प्रकाश का
B रोशनी के साधन का
C प्रकाश का
D संपन्नता का

(v) निम्नलिखित कथन तथा कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए : कथन : ईश्वर सृष्टि के कण-कण में निवास करते हैं पर हम उन्हें देख नहीं पाते । कारण : मनुष्य के पास दिव्य-दृष्टि नहीं है । [1]

A कथन तथा कारण दोनों गलत हैं ।
B कथन गलत है, लेकिन कारण सही है ।
C कथन सही है, लेकिन कारण उसकी गलत व्याख्या करता है ।
D कथन तथा कारण दोनों सही हैं तथा कारण कथन की सही व्याख्या करता है ।

Previously asked in: 2024 4/2/1 Q7

◆ कबीर – साखी | 1.3.2 ईश्वर की सर्वव्यापकता | 1.3.3 आत्मज्ञान और आध्यात्मिकता | 1.3.4 माया और अहंकार की आलोचना

Q12. **[2]**

'कबीर' की साखियों में कौन-कौन से जीवन-मूल्य उभरते हैं ?

Previously asked in: 2025 4/6/1 Q10 (I)

◆ कबीर – साखी | 1.2.2 अनुभव ज्ञान और गुरु का महत्व | 1.3.1 वाणी की मधुरता और व्यवहार | 1.3.2 ईश्वर की सर्वव्यापकता | 1.3.3 आत्मज्ञान और आध्यात्मिकता | 1.3.4 माया और अहंकार की आलोचना

Q13. **[2]**

'साखी' में कबीर ने प्रभु प्राप्ति में सबसे बड़ी बाधा किसे और क्यों बताया है ?

Previously asked in: 2026 4/4/1 Q10 (ii)

◆ **कबीर – साखी** | 1.3.3 आत्मज्ञान और आध्यात्मिकता | 1.3.4 माया और अहंकार की आलोचना

Q14. **[3]**

'साखी' शब्द का अर्थ स्पष्ट करते हुए अपने पाठ्यक्रम में संकलित कबीर की साखियों का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए ।

Previously asked in: 2023 4/5/1 Q12 (क)

◆ **कबीर – साखी** | 1.2 साखी का परिचय | 1.2.2 अनुभव ज्ञान और गुरु का महत्व | 1.4 भावार्थ और विचार

Available for free from:
https://cbsegrade10studyguide.com
https://github.com/orgs/cbse-free-resources/repositories

Available for free from:
https://cbsegrade10studyguide.com
https://github.com/orgs/cbse-free-resources/repositories